

गौरी के लाल पधारो | By Anand Kashyap

आओ गौरी के लाल पधारो मंगल कारज की बेला है
मंगल कारज की बेला है आपके ध्यान की बेला है
आओ सिद्धि विनायक पधारो भक्तों का लगा आज मेला है
आओ गौरी के लाल पधारो

सबसे पहले ध्यान तुम्हारा धर्म कर्म में होता है
श्रद्धा से जो करे वंदना हर कारज सिद्ध होता है
अब हम पर भी थोड़ी दया कर दो विघ्नो ने आकर घेरा है
आओ गौरी के लाल पधारो

सबके बिगड़े काज संवारो अन्न धन के भण्डार भरो
आये शरण में प्रभु तुम्हारी हम सबका उद्धार करो
भक्तों के भाग्य विधाता तूने अजब रचाई लीला है
आओ गौरी के लाल पधारो

गजमुख सुन्दर रूप है अद्भुत महिमा तेरी भारी है
सबका किया कल्याण ओ बप्पा आज हमारी बारी है
प्रभु साथ निभाओ आकर के तेरा आनंद कबसे अकेला है
आओ गौरी के लाल पधारो

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%97%e0%a5%8c%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%b2-%e0%a4%aa%e0%a4%a7%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%8b-by-anand-kashyap/>